ITDC package tour programmes for Punjab

2140. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether the ITDC has introduced any package tour programmes for tourists visiting Punjab State;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) No, Sir. Presently, ITDC has no package tour programme for tourists visiting Punjab as it does not own any unit/ establishment in the State of Punjab. The introduction of package tours by ITDC *inter-alia* depends upon existing ITDC properties, initiative/cooperation by the State Government, popular tourist circuit, economic viability etc.

किराया वसूल करने में प्राईवेट कंपनियों की मनमानी

2141. श्री महेश्वर सिंह: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की इस बात की जानकारी है कि देश में जहां-जहां केवल निजी हवाई सेवायें उपलब्ध हैं वहां उनके एकाधिकार के फलस्वरूप उपभोक्ताओं से मनमाने ढंग से किराया वसूल किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार मनमाने ढंग से किराया वसूल करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकार निकट भविष्य में वायु निगम अधिनियम में कोई प्रावधान करेगी;

(ग) यदि हां, तो कब; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गलाम नबी आजाद): (क) से (घ) वायु निगम अधिनियम, 1953 के 1.3.94 से निरसित हो जाने से, हवाई परिवहन प्रचालक अपने वाणिज्यिक विवेक के अनुसार किराये निश्चित करने में स्वतंत्र हैं।

हवाई अड्डों के विकास और विस्तार के प्रावधान

2142. श्री महेश्वर सिंह: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994-95 में हवाई अड्डों के विकास एवं विस्तार के लिए कुल कितनी राशि का प्रावधान किया गया था;

(ख) सरकार ने किन-किन हवाई अड्डों का विकास करने की योजना बनाई थी; और

(ग) किन-किन हवाई अड्डों का विकास हुआ और उनके विकास पर कितनी-कितनी धनराशि खर्च की गई?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) हवाई अड्डों के विस्तार और विकास के लिए राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने वर्ष 1994-95 के दौरान कुल 392.94 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय का प्रावधान किया है।

(ख) हवाई अड्डों के नाम संलग्न विवरण में हैं (नीचे देखिए)।

(ग) इन हवाई अड्डों पर परियोजनाओं के कुछ अंश पूरे हो गए हैं और अन्य चरणबद्ध रूप में वर्ष 1995-96 में पूरा होने की आशा है। राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा फरवरी, 95 तक लगभग 282 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

विवरण

क्रम सं.	हवाई अड्डे का नाम	क्रम सं.	हवाई अड्डे का नाम
1.	इलाहाबाद	31.	इंदौर
2.	अगरतला	32.	जयपुर
3.	अहमदाबाद	33.	जम्मू
4.	अमृतसर	34.	जामनगर
5.	औरंगाबाद	35.	जोधपुर
6.	आगरा	36.	जोरहाट
7.	बंगलौर	37.	कानपुर
8.	बागडोगरा	38.	खजुराहो
9.	बेलगाम	39.	लखनऊ
10.	भावनगर	40.	लेह
11.	भोपाल	41.	मद्रास
12.	भुवनेश्वर	42.	मंगलौर
13.	भुज	43.	मदुरै
14.	बंबई	44.	नागपुर
15.	कलकत्ता	45.	पटना
16.	कालीकट	46.	पोर्टब्लेयर
17.	कारनिकोबार	47.	पुणे
18.	चण्डीगढ़	48.	रायपुर
19.	कोचीन	49.	रांची
20.	कोयम्बतूर	50.	राजकोट
21.	दिल्ली	51.	सिल्चर
22.	डिब्रूगढ़	52.	श्रीनगर
23.	दीमापुर	53.	शिमला
24.	गुवाहाटी	54.	सेजपुर
25.	गया	55.	तिरुपति
26.	गोवा	56.	त्रिवेन्द्रम
27.	गोरखपुर	57.	उदयपुर
28.	ग्वालियर	58.	बड़ौदरा
29.	हैदराबाद	59.	वाराणसी
30.	इंफाल	60.	लीलाबाड़ी